

भारत के विकास में योगदान के लिए पीएम मोदी ने एचडी देवगौड़ा की तारीफ की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा से मुलाकात की। इस मुलाकात की जानकारी पीएम मोदी ने खुद दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा से मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। सोशल मीडिया पर शेयर की गई दो तस्वीरों में से एक में पीएम मोदी देवगौड़ा को पुष्पगुच्छ देते हुए नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में देवगौड़ा के हाथों को पकड़कर महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। पीएम मोदी ने एचडी देवगौड़ा के साथ हुई वार्ता की जानकारी देते हुए कहा, 'एचडी देवगौड़ा के साथ बातचीत हुई। अहम मुद्दों पर उनके सार्थक विचार काफी ध्यान देने लायक हैं। भारत के विकास के लिए उनका उत्साह भी उतना ही सराहनीय है।'

गंगोत्री में गैर हिंदुओं पर प्रतिबंध

देहरादून। उत्तराखंड के प्रमुख तीर्थस्थलों बद्रीनाथ, केदारनाथ और गंगोत्री में अब गैर-हिंदुओं का प्रवेश वर्जित करने की तैयारी है। बद्रीनाथ, केदारनाथ मंदिर समिति ने सभी हितधारकों के साथ इस पर सहमति बना ली है। जल्द ही बोर्ड की बैठक में इसे औपचारिक रूप दिया जाएगा। गंगोत्री मंदिर समिति ने निर्णय कर लिया है। हालांकि सनातन धर्म में आस्था रखने वालों का स्वागत जारी रहेगा। इस घटनाक्रम पर मुस्लिम उलेमा की अलग-अलग राय सामने आई है। ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के चीफ इमाम डॉ. इमाम उमर अहमद इलियासी ने कहा कि यह धर्म और आस्था का विषय है। यदि मंदिर कमेटी यह तय करती है कि गैर-हिंदू अंदर नहीं आ सकते हैं तो इस फैसले पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। हर जगह के अपने नियम होते हैं। वैसे भी मुस्लिमों का गंगोत्री में कोई काम नहीं है। ऐसे में यदि कोई मुस्लिम वहां जाता है तो इससे टकराव होगा।



एचडी देवगौड़ा 1996-1997 तक भारत के प्रधानमंत्री थे और वर्तमान में वे जनता दल (सेक्युलर) के प्रमुख हैं। उनकी पार्टी एनडीए गठबंधन का हिस्सा है और कर्नाटक में भाजपा के साथ मिलकर काम करती है। देवगौड़ा लंबे समय से कृषि, ग्रामीण विकास और जल संसाधनों जैसे मुद्दों पर अपनी राय रखते आए हैं। वे कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं और अभी राज्यसभा

सदस्य हैं। उनकी उम्र और राजनीतिक अनुभव के कारण उनकी सलाह राजनीतिक हलकों में काफी महत्वपूर्ण मानी जाती है।

हाल के वर्षों में दोनों नेताओं के बीच कई बार मुलाकातें और बातचीत हुई हैं, जो एनडीए के सहयोगी दलों के बीच समन्वय को मजबूत करने का संकेत देती हैं। पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा ने अतीत में भी प्रधानमंत्री मोदी की कई योजनाओं की सराहना की।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मुलाकात सिर्फ सौजन्य नहीं, बल्कि रणनीतिक महत्व भी है। खासकर कर्नाटक जैसे महत्वपूर्ण राज्य में जहां जद(एस) का प्रभाव अभी भी बना हुआ है, और आगामी विधानसभा या अन्य चुनावों को देखते हुए गठबंधन की मजबूती जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को चेताया

एसिड अटैक पीड़िताओं की रिपोर्ट तुरंत प्रस्तुत करें

नई दिल्ली। देश में एसिड अटैक की घटनाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी करते हुए इस तरह की घटनाओं का वर्ष वार ब्योरा मांगा है। तेजाब हमले की घटनाओं पर न्यायालय ने राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों से उन मामलों की संख्या बताने को कहा जिनमें आरोपपत्र दायर किए जा चुके हैं। इसके अलावा यह जानकारी भी मांगी है कि कितने मामलों में फैसला हो चुका है और कितने लंबित हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों से कहा है कि इसका पूरा विवरण दिया जाए कि एसिड अटैक



एक बार सारे आंकड़े सामने आ जाएंगे तो आगे कदम उठाने में आसानी होगी और जल्द से जल्द पीड़ितों को न्याय दिलाने का प्रयास होगा। बता दें कि अदालत में एक एसिड अटैक पीड़िता की अपील पर सुनवाई हो रही थी।

मध्य प्रदेश से हज यात्रा आसान, अप्रैल में मुंबई-मदीना पहली उड़ान का आगाज़

इंदौर। हज यात्रियों के लिए इंतजार की घड़ियां अब खत्म हो चुकी हैं। भारतीय हज कमेटी ने वर्ष 2026 की हज यात्रा का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके साथ ही मध्यप्रदेश के हज यात्रियों, खासकर भोपाल सहित पूरे प्रदेश से जाने वाले यात्रियों की तैयारियां भी तेज हो गई हैं।

18 अप्रैल को मुंबई से मदीना के लिए उड़ान भरेगी पहली फ्लाइट-बता दें कि इस साल हज यात्रा का आगाज 18 अप्रैल से होगा, जब मुंबई से मदीना के लिए पहली

फ्लाइट रवाना होगी। इस वर्ष मध्यप्रदेशसे करीब साढ़े सात हजार हज यात्री पवित्र यात्रा पर रवाना होंगे। इनमें से लगभग 90 फीसदी यात्रियों का इम्बार्केशन मुंबई के जरिए होगा। हज कमेटी के मुताबिक यात्रा को दो चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में 18 अप्रैल से 4 मई तक मदीना के लिए उड़ानें संचालित की जाएंगी। वहीं दूसरे चरण में 5 मई से 19 मई के बीच हज यात्री जेद्दा पहुंचेंगे।

हुआ ये अहम बदलाव-भोपाल



के हज यात्रियों के लिए इस बार (Haj 2026) एक अहम बदलाव देखने को मिलेगा। पहले जहां भोपाल इम्बार्केशन प्वाइंट के जरिए भी हज यात्रियों की

उड़ानें होती थीं, अब वह सुविधा समाप्त कर दी गई है। इसके बाद मध्यप्रदेश से हज की सीधी फ्लाइट केवल इंदौर एयरपोर्ट से ही संचालित की जाएगी। इसका असर भोपाल और आसपास के जिलों से जाने वाले हज यात्रियों पर भी पड़ेगा, जिन्हें अब इंदौर तक यात्रा करनी होगी।

भोपाल के हज यात्रियों को झटका यहां से बंद हुई सुविधा-भोपाल के हज प्रशिक्षकों और हज कमेटी से जुड़े लोगों का कहना है कि यात्रियों को इस बदलाव (Haj 2026)

की जानकारी पहले ही दी जा रही है, ताकि उन्हें किसी तरह की असुविधा न हो। भोपाल में हज हाउस में प्रशिक्षण शिविरों की तैयारी भी शुरू कर दी गई है, जहां यात्रियों को हज के अरकान, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों और यात्रा से जुड़ी जरूरी जानकारी दी जाएगी।

कुल मिलाकर कहना होगा कि Haj 2026 को लेकर मध्यप्रदेश, खासकर भोपाल के हज यात्रियों में उत्साह नजर आ रहा है, वहीं इंदौर को एकमात्र इम्बार्केशन प्वाइंट बनाए जाने से यात्रा व्यवस्था में बड़ा बदलाव भी देखने को मिला है।



भावांतर भुगतान योजना किसानों की तपोसाधना और समर्पण का सम्मान : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मौसम कोई भी हो, किसानों को हमेशा अपने खेत-खलिहान की ही चिंता रहती है। फसल अच्छी हो, तो पूरे साल की हरियाली... पर किसी वजह से कम पैदावार हो जाए, कीड़ा लग जाए, ओला-पाला से फसल खराब हो जाए, तो फिर पूरे साल का सूखा। अब ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। किसान हमारे अन्नदाता हैं, इन्हें कोई भी परेशानी हो, कठिनाई हो, तो हमारी सरकार किसानों का संबल और इनकी ढाल बनकर हमेशा साथ खड़ी है। किसान हमारी संस्कृति का आधार हैं, हमारी धरोहर हैं और प्रदेश की अर्थव्यवस्था के वास्तविक कर्णधार हैं। किसानों की जिंदगी बेहतर बनाना, इनके खेत, खलिहानों और घरों में समृद्धि लाना ही हमारा एकमात्र ध्येय है। किसानों की समृद्धि में ही प्रदेश की समृद्धि है। सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना किसानों के जीवन में समृद्धि लाने के लिए सरकार का प्रयास है। यह योजना किसानों के कठिन तप, साधना और समर्पण का सम्मान है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ में 'अन्नदाता सम्मान समारोह' को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना की अंतिम किश्त के रूप में प्रदेश के 1 लाख 17 हजार किसानों के खातों में लगभग 200 करोड़ रूपए की भावांतर राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि योजना के प्रारंभ से अब तक 7 लाख 10 हजार से अधिक किसानों को हमारी सरकार लगभग 1500 करोड़ रूपए की भावांतर राशि सोयाबीन उत्पादक किसानों को दे चुकी है। आज जिन किसानों को भावांतर की राशि मिली है, उसमें मंदसौर जिले के किसान भी शामिल हैं।

मतदाता सूची में फर्जी आपत्तियों के जरिए लोकतांत्रिक अधिकारों पर प्रहार

वर्तमान समय में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान जिस प्रकार से थोक के भाव में 'आपत्तियां' दर्ज की जा रही हैं, वह भारतीय लोकतंत्र के लिए एक चिंताजनक संकेत है। यह केवल प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा नहीं है, बल्कि नागरिकों के धैर्य, उनकी जागरूकता और उनके प्रतिरोध की शक्ति को मापने का एक मनोवैज्ञानिक हथियार है। यह प्रेस नोट उन तमाम नागरिकों के लिए एक आह्वान है जो इस षड्यंत्र का शिकार हो रहे हैं।

जिस व्यक्ति ने भी आप पर आपत्ति ली है, वह भली-भांति जानता है कि महज़ एक आपत्ति से आपका नाम नहीं कटने वाला। हजारों ऐसे मतदाता हैं जो पिछले 20-30 वर्षों से एक ही पते पर निवास कर रहे हैं, फिर भी उन पर यह आपत्ति ली गई कि 'वे वहां नहीं रहते'। यह जानते हुए भी ऐसी आपत्ति दर्ज कराना यह सिद्ध करता है कि मकसद वोट काटना नहीं, बल्कि आपको मानसिक रूप से प्रताड़ित करना और समाज में विभाजन की लक़ीरें खींचना है।

सामाजिक ताने-बाने पर प्रहार और सद्भाव की जीत

इस आपत्ति-संस्कृति का एक काला पहलू यह है कि इसे हिंदू-मुस्लिम चरम से देखने की कोशिश की जा रही है। आपत्ति लेने वाला और जिस पर आपत्ति ली गई, उनके बीच नफरत पैदा करना इस साजिश का प्राथमिक उद्देश्य है। किंतु, भारतीय समाज की जड़ें इतनी कमजोर नहीं हैं। अनेक मामलों में यह देखा गया है कि जब मुस्लिम मतदाताओं पर आपत्तियां आईं, तो उनके गैर-मुस्लिम पड़ोसियों ने न केवल आपत्ति का विरोध किया, बल्कि पंचनामे पर हस्ताक्षर कर यह तस्दीक की कि 'ये हमारे पुराने पड़ोसी हैं और यहीं रहते हैं।' यह साबित करता है कि हिंदुस्तान की साझा संस्कृति और 'गंगा-जमुनी तहजीब' आज भी जीवित है। जो लोग 'पूरे कुएं में भांग' डालने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें यह जान लेना चाहिए कि देश का आम नागरिक आज भी सच्चाई और न्याय के साथ खड़ा है।

कानूनी प्रावधान : निर्वाचन विधि और भारतीय न्याय संहिता (BNS) निर्वाचन आयोग के स्पष्ट निर्देश हैं कि मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखना आयोग का काम है, लेकिन इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि कोई भी व्यक्ति इस प्रक्रिया का दुरुपयोग कर किसी को परेशान करे। यदि आपके विरुद्ध झूठी आपत्ति ली गई है, तो कानून आपके हाथ में वह

शक्ति देता है जिससे आप आपत्ति कर्ता को जेल की सलाखों के पीछे भेज सकते हैं।

महत्वपूर्ण कानूनी धाराएं जिनका उपयोग किया जाना चाहिए : लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 (Section 31 of RPA 1950): यदि कोई व्यक्ति मतदाता सूची में नाम जुड़वाने या कटवाने के संबंध में झूठा बयान देता है या झूठी घोषणा (Declaration) करता है, तो वह दंड का पात्र है। इसके तहत एक वर्ष तक का कारावास या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

विशेष

भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 227 (पूर्ववर्ती IPC 191/193) : झूठा साक्ष्य देना या मिथ्या शपथ पत्र प्रस्तुत करना एक गंभीर अपराध है। यदि आपत्ति कर्ता ने शपथ पत्र के माध्यम से झूठी सूचना दी है, तो उस पर न्यायिक कार्यवाही की जा सकती है।

भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 352 और 353 (मानहानि और षड्यंत्र) : यदि झूठी आपत्ति के कारण समाज में आपकी छवि धूमिल होती है या आपकी नागरिकता/पहचान पर सवाल उठाकर आपको अपमानित किया जाता है, तो आप मानहानि का दावा भी कर सकते हैं।

निर्वाचन नियमावली 1960 का नियम 13(2) : यह नियम स्पष्ट करता है कि प्रत्येक आपत्ति के पीछे ठोस साक्ष्य होना अनिवार्य है। बिना आधार के ली गई आपत्ति 'कपटपूर्ण' श्रेणी में आती है।

प्रतिकार की रणनीति: क्या करें जब आपत्ति आए?

यदि आप खामोश रहते हैं, तो इसे आपकी कमजोरी और 'संवैधानिक मृत्यु' माना जाएगा। अपनी नागरिकता और अपने अस्तित्व का प्रमाण देने के लिए आपको निम्नलिखित चरणों का पालन करना अनिवार्य है:

1. पुलिस प्राथमिकी (FIR) दर्ज कराएं : जैसे ही आपको पता चले कि आप पर झूठी आपत्ति ली गई है, तुरंत संबंधित व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएं। पुलिस अक्सर इसे 'चुनावी मामला' कहकर टालने की कोशिश करती है, लेकिन आपको अड़ना होगा कि यह 'धोखाधड़ी' (Cheating) और

'लोक सेवक को गुमराह' करने का मामला है।

2. सामूहिक शक्ति का प्रदर्शन : अकेले जाने के बजाय, उन तमाम पीड़ितों को साथ लें जिन पर उसी क्षेत्र में आपत्तियां आई हैं। 10-15 लोगों का समूह जब पुलिस कमिश्नर या जिला कलेक्टर (जो जिला निर्वाचन अधिकारी भी होते हैं) के पास जाता है, तो दबाव का असर होता है।

3. न्यायालय का विकल्प (Private Complaint) : यदि पुलिस FIR दर्ज नहीं करती है, तो कानून की शरण लें। दंड प्रक्रिया संहिता (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता) के तहत मजिस्ट्रेट के समक्ष 156(3) का आवेदन कर पुलिस को जांच के आदेश दिलवाएं।

4. 'रहम' की राजनीति से बचें : अक्सर कानूनी शिकंजा कसते ही आपत्ति कर्ता 'माफी' का नाटक करता है। वह कहता है कि 'मुझसे गलती हो गई' या 'मुझे पता नहीं था कि मेरे नाम का उपयोग हुआ है।' ऐसे में भावुक न हों। यदि वह निर्दोष है, तो उसे कोर्ट में यह बयान देने को कहें कि उसके नाम का गलत इस्तेमाल किसने किया। असली गुनहगार तक पहुंचना जरूरी है।

जिंदा कौमों का सबूत दें

यह लड़ाई केवल एक वोट की नहीं है, यह उस मानसिकता के खिलाफ है जो आपको दोयम दर्जे का नागरिक बनाना चाहती है। यह आपकी 'नब्ज टटोलने' का एक तरीका है—यह देखने के लिए कि क्या आप में प्रतिरोध की चिंगारी बची है?

संविधान ने आपको अधिकार दिया है, कानून ने आपको सुरक्षा दी है, और लोकतंत्र ने आपको आवाज दी है। यदि आप आज अपनी आवाज का इस्तेमाल नहीं करेंगे, तो कल आपकी खामोशी को आपकी रजामंदी समझ लिया जाएगा। प्रशासन और सरकार को यह संदेश जाना चाहिए कि इस देश का नागरिक अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति सजग है और वह किसी भी 'सांप्रदायिक साजिश' या 'प्रशासनिक गुंडागर्दी' के सामने झुकने वाला नहीं है।

उठें, जागरूक बनें और अपनी नागरिकता का सम्मान सुरक्षित रखने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ें।

'न्याय केवल मांगने से नहीं, बल्कि संवैधानिक संघर्ष से प्राप्त होता है।'

-मो. शारीब खान (हाईकोर्ट एडवोकेट) -7869786317

बाबू खाँ मेव की बहादुरी की दास्तान

जब भी हम किसी लम्बे सफर पर जाते हैं तो रास्ते का सौन्दर्य, क्षेत्र विशेष का इतिहास और संस्कृति, रहन - सहन, परम्पराएँ और जीविकोपार्जन, बर्बाद ही हमारा ध्यान आकर्षित कर लेती हैं। मेरे जैसे लेखक और समाज विज्ञानी तो कुछ ज्यादा ही बारीकी से चीजों को देखते और उनका अध्ययन करते हैं।

28 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक, जिला पार्षद उमर मुहम्मद पाला, मेविस के नवनियुक्त अध्यक्ष फखरुद्दीन (अगोन) और मास्टर साहू (काटपुरी) के साथ हुआ मध्य प्रदेश का सफर भी ऐसे ही अनुभवों से भरपूर रहा।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के 22 जिलों में मेव/मेवाती रहते हैं, जो सदियों पहले इसी मेवात से गये हैं, जिसे हम बी. मेवात कहते हैं। जाहिर है मेवात की मिट्टी के गुण, संस्कार और आदत-अखलाक आज भी इनके चरित्र में नजर आते हैं। साहस, बहादुरी, मेहमान नवाजी, अपनापन और सदियों पुरानी यादें आज भी इनके व्यक्तित्व का अभिन्न अंग हैं।

सदियों पहले, हालात से दो-चार हो अपनी मातृभूमि छोड़कर यहाँ आकर बसे मेव/मेवातियों के साहस और बहादुरी के कई किस्से आज भी यहाँ को लोक मानस में प्रचलित हैं। बहादुरी, निरता और साहस भरा ऐसा ही एक किस्सा है, बाबू खाँ मेव का।

जब हम वदोदरा-मुंबई हाईवे से उतर कर वाया कोठारी सक्र मार्ग से खींच की तरफ चलते हैं रास्ते में एक पहीरी दर्रा आता है। इस दर्रे के पास ही ऊँचे पहाड़ के दामन में 'दरबा' गाँव आबाद है। इसलिए इस दर्रे को भी दरबा कहा जाता है। घने जंगल से ढंके इस दर्रे के गुजरती है सक्र और साथ-साथ रेल लाइन। दर्रे के बीच एक ऐतिहासिक गढ़ी (संभवतः) फौजी चौकी है और अंग्रेजों के समय का एक ऊँचा रेलवे पुल है। आज यह जंगल वन्य जीवों के लिए आरक्षित है जिसे मुकंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व (Mukandra Reserve Tiger Hills) कहा जाता है।

आजादी से पहले यह स्थान कोटा रियासत का भाग था। उस समय यह जंगल और भी गहरा रहा होगा। तब इसमें से सक्र नहीं

गुजरता थी। केवल पैदल का रास्ता था। इस घने और रावने जंगल में से पैदल गुजरना भी साहस का काम था।

बात उस समय की है जब इस घने और रावने जंगल में एक साहसी मीणा। कू ने अपना ठिकाना बना लिया और पैदल जाने वाले यात्रियों को लूटना शुरू कर दिया। यह। कू अत्यंत शक्तिशाली, फुर्तीले और भाला चलाने में सिद्धहस्त था।

इसके लूटने का तरीका भी बा. अनोखा था। वह जब किसी अभाग्य यात्री को घरे लेता तो नाचने लगता और फिर नाचते-नाचते अचानक भाले से वार कर उसे घायल कर देता और उसका धन-माल छीनकर चला जाता। बेचारा घायल यात्री या तो तुरंत अथवा तप-तप कर प्राणों से हाथ धो बैठता।

रोज-रोज इस तरह की घटनाओं की शिकायतें कोटा के राजदरबार में पहुँचने लगी। राजा ने इस। कू को गिरफ्तार करने के लिए कई बार सिपाही भेजे, मगर घने जंगल और पहाड़ों के बीच से वे खाली हाथ ही वापिस लौटे। अंत में तंग आकर राजा ने घोषणा की कि जो भी इस। कू को जिंदा आय मुर्दा पकड़ लाएगा उसे राज्य की तरफ से मुँह मांगा इनाम दिया जाएगा।

राजा की यह घोषणा घाटा बराना के निकट अबाद गाँव अभ्यंतर में रहने वाले बाबू खाँ मेव ने भी सुनी। बाबू खाँ एक हष्ट-पुष्ट, फुर्तीला नौजवान था। भाला चलाने में उसका कोई सानी नहीं था।

राज्य की घोषणा सुनते ही बाबू खाँ ने अपना भाला संभाला और दरबा जंगल की ओर खाना हो गया। लोगों ने उसे रोकने का प्रयास भी किया कि 'वह अपने प्राणों को जोखिम में ना। ले। यह। कू ताकतवर ही नहीं बा. शातिर भी है। कहीं ऐसा न हो कि लेने के देने प. जाएँ।'

मगर बाबू खाँ को अपने ऊपर पूरा विश्वास था। अपने बाजुओं और चपलता और भाला चलाने के कौशल पर उसे पूरा भरोसा था। आत्मविश्वास से लबरेज बाबू खाँ बिना किसी अनिष्ट की आशंका से दरबा की ओर बढ़ता चला गया और निर हो घने जंगल में घुस गया। अपने शिकार को आता देख। कू मन ही मन बहुत खुश हुआ।

उसने अपना भाला संभाला और आगे बढ़कर बाबू खाँ का रास्ता रोक लिया।। कू अपने शिकार को सामने देख आदेशानुसार नाचने लगा। तभी बाबू खाँ ने उसे ललकारा, 'नाचा कहा, --- मैं तेरे लिए ही आयो हूँ।'

ललकार सुन। कू ने नाचना बंद कर बाबू खाँ की ओर देखा। उसके लिए तो यह नया अनुभव था कि उसी के घर में कोई उसे ललकार रहा है। उसने बाबू खाँ की आँखों से आँखें मिलाकर उस साहसी नौजवान को गौर से देखा और फिर बोला, 'अच्छा! तो कर वार।'

'बाबू खाँ ने कहा, पहले वार तूई कर।'

कू ने एक बार फिर बाबू खाँ को गौर से देखा। अचल, अगि, हष्ट-पुष्ट और दुस्साहसी एक निर नौजवान भाला संभाले, लने को तैयार खा. है। उसने (कू ने) अपना भाला संभाला, हवा में लहराया और पूरी ताकत से बाबू खाँ के ऊपर वार कर दिया। बाबू खाँ ने बी. चपलता के साथ अपना बचाव किया और फिर संभल कर पलटवार किया। पहले ही वार में बाबू खाँ के भाले ने। कू के सीने चीर दिया और वह धाम से चारों खाने चित, जमीन पर गिर गया।

बाबू खाँ अपना भाला खींचा, कू का भाला काबू में किया, मूर्छित। कू को काँधे पर ला और राजदरबार की ओर चल दिया। रास्ते में अत्यधिक खून बहने के कारण। कू के प्राण-पंखेरू कूच कर गये।

बाबू खाँ राजदरबार पहुँचा। उसने कू के मृत शरीर को राजा के सामने ला और कहा, 'ये रहा आपकी मुजरिम। अब आप अपना वादा पूरा करो।'

दुर्भाग्य से राजा अपने वचन से फिर गया। कहने लगा, 'इनाम तो जिंदा पकड़ लाने पर बोला था, मगर यह तो मर चुका है।'

यह सुन बाबू खाँ गुस्से में बोला, 'आप वचन से फिर रहे हैं। आज के बाद जीते जी तेरे दरबार में कदम नहीं रखूँगा।'

इतना कह वह पलटा और तेज-तेज कदमों से राजदरबार से बाहर चला गया।

-सिद्दीक अहमद मेव

शकील अहमद निज़ामपुर मेवाती का बतौर प्रोफेसर अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थान में चयन

मुहम्मद मुबारक मेवाती पलवल/मेवात। मेवात के गांव निज़ामपुर छावां से ताल्लुक रखने वाले प्रतिभाशाली शकील अहमद निज़ामपुर मेवाती का चयन विश्व-प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थान किंग्स कॉलेज यूके, गुरुग्राम (जो किंग्स कॉलेज लंदन की शाखा है) में हो गया है। उनका यह चयन न केवल मेवात बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए प्रसन्नता और गौरव का विषय है। इस अवसर पर जामिया सिद्दीकिया ऐनुल उलूम, होल रो नूह के मोहम्मिम मुफ्ती मुहम्मद तारीफ सलीम नदवी, मेवात के होनहार सपूत मुस्तफा बदर सालाही, जमीयत उलेमा पलवल के अध्यक्ष मौलाना लुकमान कासमी और महासचिव जमीअत उलामा पलवल मुहम्मद मुबारक मेवाती ने शकील निज़ामपुर मेवाती को दिल की गहराइयों से मुबारकबाद देते हुए शुभकामनाएं प्रकट कीं। मुफ्ती मुहम्मद

तारीफ सलीम नदवी ने अपने बधाई संदेश में कहा कि शकील निज़ामपुर मेवाती की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि युवा ईमानदारी, परिश्रम और दृढ़ता को अपना मूलमंत्र बना लें तो अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के दरवाजे भी उनके लिए खुल जाते हैं। यह मेवात के लिए खुशी और हौसले का क्षण है। हम दुआ करते हैं कि अल्लाह तआला उन्हें इल्म और अमल की और ऊँचाइयों से नवाज़े और उनके माध्यम से कौम व मिल्लत को लाभ पहुँचे। उल्लेखनीय है कि शकील निज़ामपुर मेवाती सद्गुण और क्षमता का सुंदर संगम हैं। वे नमाज़ के पाबंद, बों का सम्मान करने वाले, उलेमा का आदर करने वाले तथा गरीबों के प्रति सहानुभूति रखने वाले व्यक्तित्व के धनी हैं। उन्होंने



अपनी प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा मेवात के विभिन्न विद्यालयों से प्राप्त की। इसके बाद यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास से बी.ए. (इंग्लिश ऑनर्स) पूरा किया, फिर जीी गोयनका, सोहना से एम.ए. की ग्री हासिल की। अपने शैक्षणिक

सफर के दौरान उन्हें अनेक समस्याओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और निरंतर आगे बढ़ते रहे। उच्च शिक्षा की तलाश में वे इंग्लैंड गए, जहाँ यूनिवर्सिटी ऑफ कैंटरबरी, इंग्लैंड में दो वर्ष तक अंग्रेज़ी विषय में विशेष अध्ययन किया। स्वदेश लौटने के बाद मानव रचना विश्वविद्यालय, फरीदाबाद से दो वर्षीय टीचर ट्रेनिंग कोर्स भी पूरा किया। हाल ही में पेशेवर नियुक्ति के सिलसिले में उन्हें तीन अत्यंत कठिन और व्यापक साक्षात्कारों से गुजरना पड़ा। अल्लाह पाक की दैन से बारह उम्मीदवारों में से केवल शकील निज़ामपुर मेवाती का चयन हुआ और उन्हें किंग्स कॉलेज यूके, गुरुग्राम में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। उलेमा, सामाजिक व्यक्तित्वों

और शुभचिंतकों ने उनकी इस शानदार सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए दुआ की कि अल्लाह तआला उन्हें और अधिक सफलताओं से नवाज़े तथा उनके ज्ञान और कर्म में बरकत अता फरमाए। इस अवसर पर मौलाना नसीम अहमद नदवी खाइका, जामिया मिल्लिया इस्लामिया दिल्ली के प्रोफेसर डॉ. मुफ्ती मुस्ताक़ तिजारवी, डॉ. इनाम बर्नी भंयारा, कारी मुहम्मद साजिद रानीका (बुलंदशहर), हसीन अहमद फिरोज़पुर नमक, मुफ्ती मुहम्मद असलम आली मेव, मौलाना सलमान मिफताही आली मेव, डॉ. मौलाना आरिफ़ इलियास नदवी, मौलाना अरशद नदवी, मुफ्ती आशिक़ इलाही झरोखी, मुस्तफा बदर सालाही, अंजुम मुस्तफा सालाही, उमेर इंजीनियर बख़ल, सहित दर्जनों लोगों ने बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रकट की हैं।

नशे के खिलाफ मिलकर प्रयास जरूरी



इन्दौर। नशे जैसी सामाजिक बुराई को केवल शासन या चिकित्सकों के द्वारा समाप्त नहीं की जा सकती, नशे से दूर करने एवं युवाओं को बचाने के लिए, समाज के सभी वर्गों को मिलकर प्रयास करना जरूरी है। परिवार की महिलाएं तथा शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों को ज्यादा प्रयास करने की जरूरत है। उक्त बातें विभिन्न वक्ताओं ने अशर्फी नगर खजुराना, में यूनिवर्सल पीस एं सोशल वेलफैर सोसाइटी द्वारा आयोजित नशा मुक्ति शिविर में कहीं। ईक्स मेकिल कॉलेज के सहयोग से आयोजित नशा मुक्ति शिविर का शुभारंभ करते हुए वरिष्ठ मनो चिकित्सक डॉ. रामगुलाम राजदान ने कहा कि, नशा लाइलाज बीमारी नहीं है इससे छुटकारा पाया जा सकता है, किंतु पीति का पूर्ण सहयोग एवं इच्छा शक्ति की जरूरत है।

अनिल भारी ने कहा कि इस तरह के शिविरों की बेहद जरूरत है, इंदौर शहर में युवाओं में बी.तेजी से नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है अतः इन युवाओं को बचाने के लिए भी लगातार बे पैमाने पर प्रयासों की भी जरूरत है। इस मोके पर फादर पायस, प्रमोद नामदेव, सैयद इरशाद अली, तारीक शेख आदि ने भी संबोधित किया। शिविर में 154 नशा पीति

सहित विभिन्न रोगियों ने अपना इलाज करवाया।

कार्यक्रम में रामगुलाम राजदान एवं सामाजिक कार्यकर्ता शफी शेख द्वारा नशे के खिलाफ प्रकाशित पुस्तक 'मिलकर प्रयास जरूरी' का भी अतिथियों ने विमोचन किया।

शफी सर, प्रमोद नामदेव, इरशाद भाई, तारिक शेख, और वॉलेंटियर्स ने अशरफी कालोनी में घर घर जाकर नुस्ख चौराहों पर जाकर तंबाकू, गुटका, शराब, अन्य बेहद खतरनाक नशे छोड़ने के लिये प्रेरित किया गया उसके

नुकसान

के बारे में बताया गया और यह भी कहा गया की इस्लाम में भी नशा करना हाराम कहा गया है। जिससे कई नौजवान लड़कों ने कैम्प पर आकर इलाज करवाया और नशा नहीं करने का अहद भी लिया।

प्रारंभ में इलियास खान, जावेद पटेल, प्रणिता दीक्षित, अशोक मित्तल, सलीम पटेल, भारत सिंह आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।

संचालन शफी शेख ने तथा अंत में प्रणिता दीक्षित ने आभार व्यक्त किया।



नूह। पूर्व गृह मंत्री मरहूम चौधरी सरदार खां के बेटे और हमारे अजीज़ साथी भाई जफर असलम खान का बीते दिनों हृदय गति रुकने से इंतकाल हो गया था। फिरोज़पुर झिरिका स्थित उनके निवास पर सीए मुख्तार अहमद एवं पूर्व विधायक वाजिब अली ने परिवार से मुलाकात कर सम्वेदनायें व्यक्त की। अल्लाह पाक मरहूम को जन्नत नशीब करे। और परिवार को इस दुःख की घड़ी को सहन करने का हौसला दे।

मेवात के लिए गर्व का ऐतिहासिक क्षण लोकसंस्कृति के अमूल्य संवाहक गफरुद्दीन मेवाती को मिला पद्मश्री सम्मान

मुहम्मद मुबारक मेवाती

कामां मेवात। मेवात की धरती के लिए यह एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण है। कामां विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत कैथवा निवासी, मेवाती लोकसंस्कृति और लोककला के महान साधक जनाब गफरुद्दीन मेवाती को देश के प्रतिष्ठित पद्मश्री सम्मान से नवाज़ा जाना पूरे क्षेत्र के लिए अत्यंत सम्मान और हर्ष की बात है। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि मेवात की मिट्टी, उसकी संस्कृति, परंपराओं और पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मिली बी मान्यता है। गफरुद्दीन मेवाती ने अपने संपूर्ण जीवन को मेवाती लोककला, विशेष रूप से भपांग और पुंन का का. जैसी दुर्लभ लोकपरंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित कर दिया। उनकी साधना, तपस्या और निरंतर परिश्रम ने मेवाती लोकधरोहर को विलुप्त होने से बचाया है। गफरुद्दीन मेवाती को मेवाती लोकगीतों और कथाओं के जीवंत विश्वकोश के रूप में जाना जाता है। उनके कंठ में आज भी 2800 से अधिक लोक पद और छंद सुरक्षित हैं। उन्होंने भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के 60 से अधिक देशों में मेवाती लोककला का प्रदर्शन कर भारतीय लोकसंस्कृति को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गौरव दिलाया है। अंतरराष्ट्रीय शाही आयोजनों और वैश्विक सांस्कृतिक मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व कर उन्होंने यह सिद्ध किया कि लोककला की जें जितनी गहरी होती है, उसकी पहुंच उतनी ही व्यापक होती है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मेवात सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। सैकों लोगों ने गफरुद्दीन मेवाती को शुभकामनाएं और मुबारकबाद दी हैं। कामां की पूर्व विधायक



ज़ाहिदा खान, रमज़ान एवोकेट सेवका, ज़ैद मुहम्मद खुशपुरी, दीन मुहम्मद मामलिका, मुहम्मद मुबारक मेवाती, जुबैर अहमद वरिष्ठ पत्रकार रावलकी, सहित अनेक सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक हस्तियों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे मेवात की साझा जीत बताया। इस अवसर पर ज़ैद मुहम्मद खुशपुरी ने कहा मेवात के एक छोटे से गांव से निकलकर दुनिया के सबसे बे मंचों तक पहुंचना केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि एक विरासत है। गफरुद्दीन मेवाती जोगी ने अपना पूरा जीवन भपांग और पुंन का का. जैसी दुर्लभ लोकपरंपराओं को जीवित रखने में लगा दिया। उनकी कहानी हमें याद दिलाती है कि सच्ची विरासत उन्हीं लोगों की वजह से जीवित रहती है, जो उसे कभी मिटने नहीं देते। निस्संदेह, पद्मश्री सम्मान से सम्मानित होकर गफरुद्दीन मेवाती ने न केवल अपने परिवार और गांव का, बल्कि पूरे मेवात क्षेत्र का मान बढ़ाया है। उनका सम्मान हम सबका सम्मान है, और उनकी साधना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

ईरान से टकराव के बीच अमेरिकी जंगी जहाज

रियाद। ईरान (Iran) से टकराव के बीच अमेरिकी जंगी जहाज (American warship) और युद्धपोत मिलि ईस्ट में एंट्री कर चुके हैं। आशंका है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (Donald Trump) कभी भी ईरान पर हमले का आदेश दे सकते हैं। ऐसे में ईरान के पोसी मुल्कों में भी खलबली मची है। इस बीच संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के बाद अब सऊदी अरब ने अमेरिका को झटका दिया है। सऊदी अरब ने कहा है कि तेहरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए किसी भी मुल्क को अपने हवाई क्षेत्र या जमीन के इस्तेमाल की अनुमति नहीं देगा। इस संबंध में सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने फोन पर ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयान से बात की है।

सऊदी अरब ने ईरान को आश्वासन दिया कि वह अपने क्षेत्र को अपने क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ किसी भी सैन्य हमले के लिए लॉन्चपै के रूप में इस्तेमाल नहीं होने देगा। सऊदी प्रेस एजेंसी (एई) के अनुसार, क्राउन प्रिंस ने मंगलवार देर रात ईरानी राष्ट्रपति से बात की।

बातचीत के दौरान सऊदी अरब ने ईरान की संप्रभुता के सम्मान को लेकर अपने रुख की पुष्टि की। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सऊदी अरब अपने हवाई क्षेत्र या जमीन का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ किसी भी पक्ष द्वारा किए जाने वाले हमले के लिए, चाहे उसका लक्ष्य कहीं भी हो, अनुमति नहीं देगा।

इससे पहले यूएई के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि उनका देश अपने हवाई क्षेत्र, जमीन

या समंदर का उपयोग ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई के लिए नहीं होने देगा। मंत्रालय ने क्षेत्रीय स्थिरता और तटस्थता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

दरअसल, ईरान के खिलाफ अमेरिका की संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर और वॉरशिप मिलि ईस्ट में पहुंच चुका है। अमेरिकी नेवी का अब्राहम लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप सोमवार को अमेरिकी सेंट्रल कमांड के इलाके में पहुंचा। ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच डो-पैसिफिक में चल रहे ऑपरेशन से हटाकर इन युद्धपोतों को भेजा गया है। इससे अटकलें तेज हो गई हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप तेहरान पर हवाई हमलों का आदेश दे सकते हैं।

गांधी ने अपने 1937 के समाचार पत्र में खलीफा अबू बकर और उमर को आदर्श बताया था

मुमताज़ अहमद खान

महात्मा गांधी ने अपने साप्ताहिक जर्नल हरिजन के 27 जुलाई, 1937 के अंक में इस्लामी खलीफा अबू बकर (र.दि.) और उमर फारूक (र.दि.) की प्रशंसा करते हुए उन्हें विनम्र और जिम्मेदार नेतृत्व के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया।

इस्लामी इतिहास के एक दुर्लभ संदर्भ में, महात्मा गांधी ने खलीफा अबू बकर और उमर फारूक की प्रशंसा करते हुए उन्हें सरल और ईमानदार नेतृत्व के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया।

उन्होंने यह बयान 27 जुलाई, 1937 को अपने साप्ताहिक पत्रिका 'हरिजन' के अंक में दिया था, जिसमें उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेताओं को सार्वजनिक पद संभालने के अवसर पर सलाह दी थी। आप इसे यहां भी देख सकते हैं 'मैं आपको राम चंद्र या कृष्ण का उदाहरण नहीं दे सकता, क्योंकि उन्हें ऐतिहासिक व्यक्ति नहीं माना जाता। मुझे केवल हज़रत अबू बकर (र.ह.) और हज़रत उमर फारूक (र.ह.) के नाम बताने होंगे। वे एक विशाल साम्राज्य के शासक थे, फिर भी उन्होंने सादगी भरा जीवन व्यतीत किया।'

रेफरेंस : 'हरिजन' 27 जुलाई 1937

उलामा-ए-किराम और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों से देश को आज़ादी मिली : मौलाना लुकमान कासमी

(मुहम्मद मुबारक मेवाती)

पलवल मेवाता। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर जमीयत उलामा पलवल के अध्यक्ष मौलाना लुकमान कासमी, मजलिस-ए-मुशावरत हरियाणा के अध्यक्ष मुफ्ती मुहम्मद आशिक इलाही, जमीयत उलामा पलवल के उपाध्यक्ष मुफ्ती मुहम्मद वसीम कासमी तथा जमीयत उलामा आली मेव के अध्यक्ष मुफ्ती मुहम्मद असलम ने अपने संयुक्त बयान में देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों, उलामा-ए-किराम और वीर सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने कहा कि भारत की स्वतंत्रता केवल एक राजनीतिक संघर्ष नहीं थी, बल्कि यह उलेमा, सूफियों, स्वतंत्रता सेनानियों और आम नागरिकों के अद्वितीय बलिदानों का परिणाम है। उन्होंने बताया कि इतिहास इस बात का साक्ष्य है कि उलेमा-ए-किराम ने स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रिम पंक्ति की भूमिका निभाई, जेलों कार्टी, फाँसियाँ स्वीकार कीं और देश

की अखंता व संप्रभुता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। इन्हीं बलिदानों की बदौलत आज हम एक स्वतंत्र, लोकतांत्रिक और संवैधानिक देश में सांस ले रहे हैं। मौलाना लुकमान कासमी और मुफ्ती वसीम कासमी ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें अपने संविधान के पालन, आपसी भाईचारे, न्याय और राष्ट्रीय एकता के संदेश की याद दिलाता है। वहीं मुफ्ती मुहम्मद आशिक इलाही ने कहा कि आज की पीढ़ी पर यह ज़िम्मेदारी है कि वह संविधान का सम्मान करे, देश के निर्माण और विकास में सकारात्मक भूमिका निभाए तथा सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा दे। अंत में सभी नेताओं ने देश की प्रगति, शांति और समृद्धि के लिए दुआ करते हुए कहा कि हमें स्वतंत्रता के शहीदों और संविधान निर्माताओं के सपनों को साकार करना चाहिए और एक मज़बूत, शांतिपूर्ण तथा विकसित भारत के निर्माण में अपना पूरा योगदान देना चाहिए।

बालसमद। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि वि.वि. (आरवीएसकेवीवी) की आयोजित अंतर-महाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता में हबीब खान जिलानी के बेटे छात्र रेहान खान ने टेबल टेनिस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक अपने नाम किया। **न्यू मेव टाइम्स परिवार अपनी मुबारकबाद देता है।**



कामा। गोपालगढ़ अंधवाड़ी रोड गढ़ी में अरावली क्लिनिक का उद्घाटन करते हुए सीए मुख्तार अहमद। उम्मीद है यह क्लिनिक क्षेत्र के लोगों को बेहतर, सुलभ और समय पर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर लुकमान सरपंच पापा, आसू सरपंच जोतगावेती सहित क्षेत्र के अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। डॉ. शौकीन, डॉ. असगर भाई को बहुत बहुत मुबारकबाद।

इंतकाल

गुरुग्राम। मेवाती बिरादरी के जनाब डॉक्टर सुभान खान (सेवा निर्वत वैज्ञानिक) के ससुर मो. उसमान खान साहब का पिछले दिनों इंतकाल हो गया, जिन्हें गुड़गांव स्थित अंजुमन बगिया कब्रिस्तान में सुपुरदे खाक किया गया।

रतवाय (कन्नौद)। मेवाती समाज के समद सरोलिया, पप्पु सरोलिया की वालदा का पिछले दिनों इंतकाल हो गया, जिन्हें स्थानीय कब्रिस्तान में सुपुरदे खाक किया गया।

डोकाकुई। मेवाती समाज के असगर पटेल के भाई अज़ीज़ पटेल का पिछले दिनों इंतकाल हो गया, जिन्हें स्थानीय कब्रिस्तान में सुपुरदे खाक किया गया।

लेहकी। मेवाती समाज के जनाब असगर खा (दस भईया) की वालिदा नफीसन बी का पिछले दिनों इंतकाल हो गया, जिन्हें स्थानीय कब्रिस्तान में सुपुरदे खाक किया गया।

गुडबेल। मेवाती समाज के जनाब अकबर खा मेव के छोटे भाई, मरहूम मुराद खा के लड़के शब्दर खा का पिछले दिनों इंतकाल हो गया, जिन्हें स्थानीय कब्रिस्तान में सुपुरदे खाक किया गया।

बामानी खुर्द। मेवाती समाज के जनाब हामिद खा के बड़े भाई अनवर मिस्त्री, रमजान भाई के वालिद हब्बु खा मिस्त्री का पिछले दिनों इंतकाल हो गया जिन्हें स्थानीय कब्रिस्तान में सुपुरदे खाक किया गया।

रतलाम। मेवाती समाज के जनाब अब्दुल रशिद वल्ड अब्दुल अज़ीज़, शबीर गोलू के वालिद का पिछले

दिनों इंतकाल हो गया, जिन्हें स्थानीय कब्रिस्तान में सुपुरदे खाक किया गया।

किरदपुरा। हाजी गुलख़ान के बहनोई चाँद खा, इमाम खां (ता लेगाव) वालों का पिछले दिनों इंतकाल हो गया, जिन्हें स्थानीय कब्रिस्तान में सुपुरदे खाक किया गया।

रतलाम। मेवाती बिरादरी के जनाब हाजी सत्तार मेव (हिना बस), रईस मेव, शहजाद मेव, साबिर मेव के वालिद एवं सदर हाजी फ़िरोज मेव के दादा हाजी रफीक मेव का इंतकाल हो गया, जिन्हें अमृत सागर कब्रिस्तान, तालाब के पास सुपुरदे खाक किया गया।

न्यू मेव टाइम्स परिवार, एवं मेव एडुकेशनल, वेल्फेयर अवेरनेस ट्रस्ट, अल्ला ह से दुवा करता है सभी मरहूमों को जन्नतुल फ़िरदोश अता फरमाये।

India Post Office GDS Recruitment 2026

Total Post Of Vacancy- 28740

10वीं पास भर्ती

Important Dates

Event	Date
Apply Start Date	31/01/2026
Apply Last Date	14/02/2026
Form Correction Date	18-19 Feb 2026

ग्रामर ऑनलाइन- 7024253853

शादियां

बालसमद। मेवाती समाज के जनाब असल म खां की दुख्तर फ़िरदोश खान की शादी, बलखड़ के जावेद खान के फरजद फरहान न खान के साथ, और अलाउद्दीन खान के बेटे आफताब खान की शादी बलखड़ के जावेद खां की बेटी सानिया खान के साथ संपन्न हुई।

बालसमद। मेव समाज के असमद खाँ कि बेटी फातिमा खान की शादी, बाग के मरहूम अहमद नूर खान के बेटे इमरान खान के साथ हुई।

लक्ष्मणपुरा। मेवाती समाज के जनाब मेहंदी हसन के बेटे, एवं हाजी हबीब खान साहब के पोते अल्फेज खान की शादी भंवरगढ़ (बारां) के जनाब इनायत हुसैन की बेटी एवं हाजी मेहबूब खान की पोती, आरिशा खान के साथ आगामी 7 फरवरी को होने जा रही है।

इंदौर। मेवाती बिरादरी के जनाब रईस खान (सर) के बेटे डॉक्टर रेहान खान की शादी इनायतपुर के हाजी इरफान खान की दुख्तर फौजिया खान के साथ 6 फरवरी को होने जा रही है।

न्यू मेव टाइम्स परिवार, मेव एजुकेशनल वेल्फेयर अवेरनेस ट्रस्ट, अपनी मुबारक बाद सभी दुल्हा दुल्हन को पेश करता है।



रतलाम। शाहिद मेव की बेटी इरम मेव वकालत में कामयाबी हासिल की है आपकी दुआओं की दरखास्त है और कामयाबी हासिल करें आमीन।



कन्नौद। डॉ अयाज़ खान वल्ड डॉ शब्बीर खान (पानीगांव वाले) को MBBS की FMGE एग्जाम पास कर सर्टिफाइड MBBS डॉक्टर बनने पर बहुत बहुत मुबारकबाद



संस्थान द्वारा अलवर, तिजारा, किशनगढ़ बास, रामगढ़, उमरेन और मालाखेड़ा के तक़रीबन 100 गावों में बालिका दिवस मनाया गया , जिस में तक़रीबन 5000 बालिकाओं, उनके अभिभावकों, मेवात शिक्षा पंचायत के शिक्षकों ने भाग लिया और बालिकाओं की शिक्षा और विकास के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने का तय किया। अलवर के गांधी नूर मोहम्मद साहब को मुबारकबाद।

सिद्दीक अहमद मेव

मध्यप्रदेश अथवा मालवा का वर्णन से, भारत का प्राचीन एवं मध्यकालीन इतिहास भरा हुआ है। उज्जैन, महाराजा विक्रमादित्य की नगरी उज्जैन, राजा भोज की नगरी धार, चंदेरी, महिदपुर, सारंगपुर, इन्दौर, भोपाल, मंदसौर, जबलपुर और रतलाम आदि ऐतिहासिक शहर, हमारे गौरवशाली इतिहास के मूक गवाह हैं। इन शहरों के गर्भ में छुपा ऐतिहासिक खजाना यदि सामने आ जाए तो हमारे प्राचीन काल और मध्यकाल का इतिहास और विरासत पूरी दुनिया को चकाचौंध करने के लिए काफी है।

विंध्याचल और सतपुड़ा के गगनचुम्बी पहाड़ जहाँ इस प्रदेश का ललाट हैं, वहीं महानदी और गोदावरी नदियां इसको बारह मास सराबोर रखती हैं। मैदानी भाग यद्यपि कटा-फटा और ऊँचा-नीचा जरूर है, मगर हराभरा है। नये तथा पुराने कुओं की कतारें पूरे प्रदेश में नजर आ जाती हैं। पहाड़ों में जहाँ अनेक प्रकार के खनिज पदार्थ मौजूद हैं वहीं जंगल कई प्रकार की जी-वृष्टियों से सम्पन्न हैं। सोयाबीन, चना, गेहूँ, सरसों, लहसुन, धनिया आदि की फसलों ने यहाँ के किसान का मान बढ़ाया है।

इस प्रदेश के 22 जिलों में मेव/मेवाती आबाद हैं। प्रत्येक शहर में मेवाती मोहल्ला है, जहाँ शहरों में रहने वाले लोग दस्तकारी, छोटे व्यापार और मेहनत-मजदूरी कर जीवनयापन कर रहे हैं। गाँवों की अपेक्षा शहर में शिक्षा का स्तर अच्छा है। कुछ और मेव/मेवाती सरकारी नौकरियों में सेवाएँ दे रहे हैं।

मध्यप्रदेश के मेव/मेवा कब मालवा क्षेत्र (मध्यप्रदेश) में आकर आबाद हुए, निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता। लोगों से बात करने पर 6 से आठ पीढ़ी तक ही पहुँचा जा सकता है जिसका मतलब है दो सौ ढाई सौ साल पहले। मगर मुझे लगता है इससे भी बहुत पहले लगभग आठ सौ नौ सौ साल पहले से ही मेवों ने यहाँ आकर आबाद होना शुरू कर दिया था। खानवा का युद्ध, पाँच पहाड़ी लड़ाई, पृथ्वी राज से संघर्ष आदि जहाँ इसके राजनैतिक कारण हैं, वहीं छप्पनिया का अकाल (1299 ई०), 1642 का अकाल आदि दर-प्रवास के प्राकृतिक आपदा

मध्यप्रदेश के मेव जैसा मैंने देखा

अथवा आर्थिक कारण हैं। बहुत सारे लोग मुगल सेना, ग्वालियर की सेना और होल्कर-पल्टन आदि में सैनिक के रूप में यहाँ आए और यहीं के होकर रह गए।

आज ये लोग इस प्रदेश का अभिन्न अंग हैं और अपनी लगन, मेहनत तथा बुद्धिमत्ता से इस प्रदेश की उन्नति में 'हाथ बटा' रहे हैं। खेती-बाड़ी, पशुपालन, व्यापार के साथ-साथ अनेक लोग राजनीति में भी सक्रिय हैं। पंच-सरपंच, पंचायत समिति सदस्य और जिला पार्षद तो हैं ही, कई राजनैतिक पार्टियों में भी सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

यहाँ रहने वाले लोग मुख्य मेवात या बी.मेवात को न केवल अपनी जन्म भूमि ही मानते हैं, बल्कि इस भूमि से उनका अटूट प्रेम और लगाव उनके ब्याह-व्यवहार व बातचीत में महसूस किया जा सकता है। यहाँ से जाने वाला प्रत्येक व्यक्ति उनके लिए बे-भाई के समान है, जिसे वे सर-माथे पर बिठा लेते हैं। बहुत सारे लोगों को अपना गाँव व मेवात में पिछला गाँव मालूम नहीं है। मगर वे लोग जगों आदि से मिलकर, अपनी जों तक पहुँचने का पूरा प्रयास कर रहे हैं।

भोपाल के इर्द-गिर्द अधिकांश मेव आबाद हैं। इसलिए इस क्षेत्र को छोटी मेवात कहा जाता है। पहले तबलीग और फिर अस्सी के दशक में (1984 से 1987 तक) तत्कालीन सांसद- चौ० रहीस खाँ ने यहाँ के मेवों का वहाँ जाकर हालचाल पूछा और बी.मेवात और छोटी मेवात के बीच संबंध किये, जिन्हें अब राशीद मेव, उमर मुहम्मद पाडला और फखरुद्दीन अचनाका जैसे कर्मठ लोग आगे बढ़ा रहे हैं। मेरे जैसे सामाजिक लोग भी जब-तब अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

घने जंगलों से आच्छादित और जंगली जानवरों से भरपूर इस प्रदेश में सबसे पहले यहाँ आकर बसने वाले मेवों का संघर्ष कैसा रहा होगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। कटी-फटी और ऊँची-नीची जमीन, पेट की आग, जीवन का

खतरा, जीविकापार्जन का प्रबंध और जीवन को आगे बढ़ाने की चाह, केवल जीवित रहने का ही संघर्ष नहीं था बल्कि जीवन बचाने का संघर्ष भी था! 'ऊँट के मुँह में जीरा' बराबर सरकारी मदद से जंगल को साफ करना और फिर बंजर भूमि को जोतना कोई आसान काम नहीं था। मगर जीने का संघर्ष जारी रहा। अनेक कठिनाइयों से दो-चार हो और खून-पसीना बहाकर, अंत में जिंदगी जीत गई और संघर्षशील मेवाती एक विजेता की तरह सुर्खरू होकर आगे आया। आज वह मध्यप्रदेश का सबसे अच्छा किसान है और प्रदेश के एक बे-भाग का मालिक है।

मेरे अब तक इस प्रदेश के चार सफर हो चुके हैं। यहाँ के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के अनेक लोगों से मिला हूँ जिनमें मुख्य नाम हैं, शम्सुद्दीन चिश्ती मेव (न्यू मेव टाइम्स), इकबाल मेव (दोनों इंदौर), रमजान व अकरम खाँ (पीपल्स), अकबर पटेल, रईस अहमद, सरपंच जालौदिया, असगर, सरपंच सोनगिरी, ऐजाज अहमद (सोनगिरी), असलम भाई (तराना अब उज्जैन), सईद मेव, वहीद देहगुल मेव (उज्जैन), जाकिर हुसैन (उज्जैन), अब्दुल हफीज बनारसी, मो. शारीब खान, अय्यूब भाई (इंदौर), शफी मुहम्मद (उज्जैन) और शमीम अहमद (सिहोर) आदि। इनमें लेखक, पत्रकार, सामाजिक, राजनैतिक, किसान व्यापारी और दस्तकार, सभी तरह के लोग हैं। इनसे बातें भी हुई, गंभीर चर्चा भी हुई और हँसी-मजाक भी हुआ। ये मेवाती जबान भूल चुके हैं, मगर इनके व्यवहार, बातचीत, रहन-सहन, रीति-रिवाज और शारीरिक भाषा (बाँी लैंग्वेज) में मेवातीपन साफ झलकता है।

मेवात के जिस आतिथ्य सत्कार (मेहमान नवाजी) की हम बात करते हैं, उसकी यदि चरम सीमा देखनी हो तो मध्यप्रदेश के मेव/मेवातियों को देख लीजिए। बी.मेवात से जाने वाले के लिए तो ये लोग पलक-पाँवे बिछा देते हैं। बढ़िया से बढ़िया चाय-नाश्ता और खाना, आत्मीय सेवा भाव, सम्मानपूर्वक स्वागत, अपनेपन का अहसास

और सौहार्दपूर्ण व्यवहार। आप जानकार हैं या अनजान, इनके आतिथ्य सत्कार में कोई कमी नहीं होगी।

मेवात की तरह यहाँ भी मेवातियों में पर्दा नहीं है, मगर औरतें घर से बाहर कम ही नज़र आती हैं। खेतों में भी आमतौर पर औरतें काम करती नज़र नहीं आती।

पशु, गाय, भैंस, बैल आदि बहुत छोटे और कमजोर हैं। गाय व भैंस कम दूध देती हैं। यहाँ 'चारा मशीन' नज़र नहीं आती। खा-चारा ही पशुओं को चराते हैं। यहाँ भी खेती का मशीनीकरण हो गया है, इसलिए घरों में बैल नहीं, ट्रैक्टर, हैरो और थ्रेसर खेते हैं। सोयाबीन और चने के बजाए अब गेहूँ, सरसों, लहसुन और धनिया आदि की खेती होने लगी है। मध्यप्रदेश का गेहूँ अब सारे देश की पसंद बनता जा रहा है। लोगों के व्यवहार, जीवन स्तर और रहन-सहन में सम्पन्नता साफ नज़र आती है।

अलबत्ता गाँव और शहर के जीवन स्तर में और शहरों में भी मेवातियों और दूसरे लोगों के जीवन स्तर में उसी तरह का अंतर है, जिस तरह हमारे यहाँ नज़र आता है। चीखना-चिल्लाना या गाली-गलौज करना इनके जीवन का अंग नहीं है, मगर व्यवहार पूरा मेवातीपन है। साहस, जीवट, और निरता मेव/मेवाती से कोई कैसे छिन सकता है! शिक्षा के प्रति धीरे-धीरे लोगों में जागृति आ रही है। अपने स्कूल भी खुल रहे हैं और बच्चे प्रदेश और देश ही नहीं, विदेश में भी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

संक्षेप में कहा जा सकता है कि मध्यप्रदेश के मेव/मेवाती आगे भी बढ़ रहे हैं और अपनी जों से जुने का प्रयास भी कर रहे हैं। लगभग सात सौ - आठ सौ साल का इनका इतिहास उतार-चढ़ाव भरा तो है, मगर अत्यंत रोमांचक भी है। यहाँ भी इतिहास पुरुषों और नायकों की कमी नहीं है। परंतु जब तक इतिहास लिखा ना जाए तब तक नायकों के कारनामे अंधकार में ही छुपे रहते हैं। सहादत खाँ, लाल खाँ, बाबू खाँ और हिम्मत खाँ आदि नाम जब तक लेखकों व इतिहासकारों की नज़र में नहीं आएँगे, तब तक आपका इतिहास अंधकारमय ही रहेगा।

मेवात एकेडमी
कक्षा LKG-12वीं
संकाय : विज्ञान, वाणिज्य एवं कला
आपको एवं आपके परिवार को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं।

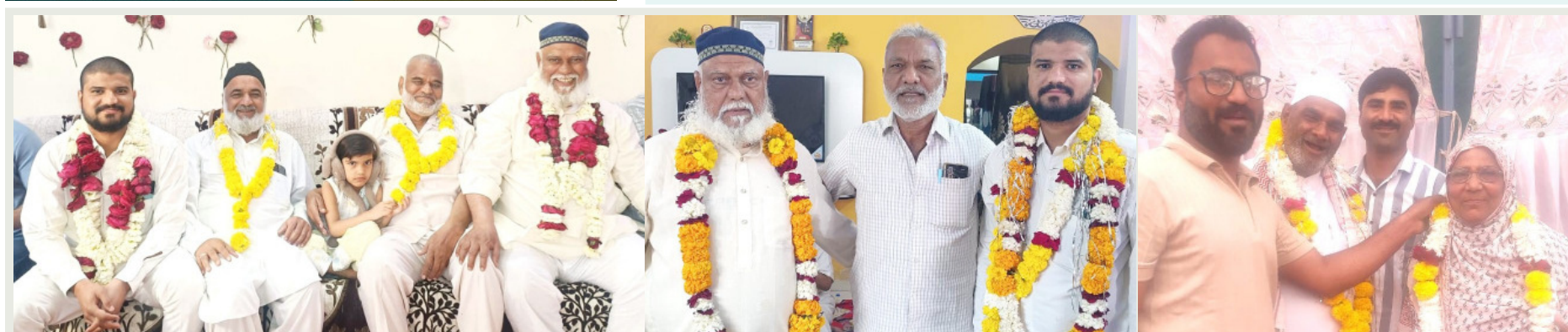
विजयी विश्व विरंगा व्यारा,
झंझ ऊँचा रहे हमारा।

हॉस्टल सुविधा उपलब्ध
Grade 3rd-12th
9314411786, 99924 50465, 9413304746
जोवात एकेडमी, कोलगाँव रोड, पालोली (किशनगढ़ बॉस-स्पोर्ट्स)

शाहरुख नूर
(प्रबंध निदेशक)
(मेवात एकेडमी-हॉस्टल, पालोली (किशनगढ़ बॉस))



जयपुर। राजस्थान कांग्रेस के यशस्वी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा जी और विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष, गरीबों और वंचितों की बुलंद आवाज़ आदरणीय टीकाराम जूली जी से जयपुर आवास पर सीए मुख्यालय अहमद द्वारा मुलाकात कर मार्गदर्शन प्राप्त किया। आपसे मिलकर हमेशा ऊर्जा मिलती है, आपके नेतृत्व में पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत करने का काम करेंगे।



इंदौर। पिछले दिनों उमराह पर से वापस आने पर हाजी जमीर मेव एवं उनके बेटे का इस्तकबाल करते हुए न्यू मेव टाइम्स परिवार के हाजी निसार अहमद चिश्ती, हाजी शमसुद्दीन चिश्ती एवं हाजी जलील खान एवं फिरदौस जहां का इस्तकबाल करते हुए रफीउद्दीन चिश्ती एवं मुबारिक चिश्ती।



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



77^{वें} गणतंत्र दिवस की

प्रदेशवासियों को अनेक मंगलकामनाएं



6 भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। आज राष्ट्र के हर नागरिक के हृदय में देशभक्ति और देश के लिए गर्व का भाव सशक्त हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नेतृत्व क्षमता के फलस्वरूप यह सब संभव हो पाया है। आज भारत वैश्विक शक्ति बनकर उभर रहा है।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश की उन्नति के मुख्य स्तंभ



अन्नदाता की समृद्धि से प्रगति की ओर मध्यप्रदेश

वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में घोषित किया गया है, इसका उद्देश्य अन्नदाता को समृद्ध और सशक्त बनाना है।

युवा शक्ति से राष्ट्र निर्माण

मध्यप्रदेश के युवा सक्षम और कौशलवान बनकर अपने सपनों को साकार करें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

गरीब एवं जनजातीय वर्ग की तरक्की का संकल्प

गरीब और जनजातीय वर्ग के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और समस्त मूलभूत सुविधाओं के लिए हमारी सरकार संकल्पित है।

D18086/25

सशक्त नारी - सशक्त मध्यप्रदेश

नारी परिवार और समाज का दर्पण होती है। महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनके पोषण, स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा एवं रोजगार तक का ख्याल प्रदेश सरकार रख रही है।

अतुल्य विरासत से वैभवशाली मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत अद्भुत एवं समृद्ध है। यहां नैसर्गिक सुंदरता के साथ-साथ कला और संस्कृति भी बहुआयामी है।

औद्योगिक विकास का नया अध्याय

मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास का एक उभरता केंद्र बन चुका है। गांवों को शहरों से जोड़ना हो या नए उद्योग स्थापित करने हों, प्रदेश आज चौरफा विकास की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है।

सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध पलवल के उटावद गांव में उमड़ा जनसैलाब

दहेज, नशा, गोकशी और साइबर ठगी के विरुद्ध एकजुट हुआ समाज, 15 फरवरी को 36 बिरादरी की महापंचायत का ऐलान



शौकत अली खान

पलवल/मेवात। हथीन क्षेत्र के ऐतिहासिक गांव उटावद में पिछले दिनों सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध एक विशाल जनपंचायत का आयोजन किया गया। मरकज़ मैदान में आयोजित इस पंचायत में हजारों की संख्या में लोग एकत्रित हुए। पंचायत ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि समाज अब दहेज, नशा, साइबर ठगी और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संगठित होकर निर्णायक कदम उठाने के लिए तैयार है।

यह पंचायत हथीन के विधायक चौधरी मोहम्मद इसराइल के संरक्षण में आयोजित की गई, जबकि इसकी अध्यक्षता समस्त छिरकलोट पाल की 21 सदस्यीय अध्यक्ष मंल ने की। पंचायत का मुख्य उद्देश्य समाज में गहराती कुरीतियों पर गंभीर विचार-विमर्श करना और उनके स्थायी समाधान की दिशा तय करना रहा।

पांच प्रमुख सामाजिक मुद्दों पर केंद्रित रहा मंथन : पंचायत में विशेष रूप से पांच मूल सामाजिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इनमें दहेज प्रथा और उससे पारिवारिक रिश्तों में उत्पन्न हो रहा तनाव, गोकशी एवं गौ-तस्करी, समाज में तेजी से फैलता नशा, बढ़ते साइबर अपराध तथा सोशल मीडिया

पर बढ़ती अश्लील सामग्री प्रमुख रहे।

इसके अतिरिक्त जे पर प्रतिबंध, सट्टेबाजी, धूल-गोला, बारात की संख्या सीमित करने, मेहर की उचित मात्रा निर्धारित करने, बेटियों को पैतृक संपत्ति में अधिकार देने, झूठे एवं अवैध मुकदमों पर रोक लगाने तथा धार्मिक एवं सांसारिक शिक्षा के प्रति जागरूकता जैसे विषयों को भी गंभीरता से उठाया गया।

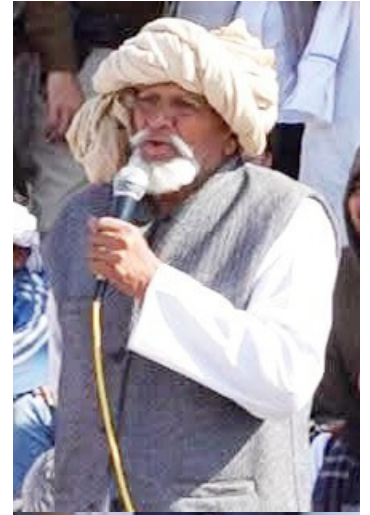
15 फरवरी को 36 बिरादरी की महापंचायत का निर्णय : विस्तृत विचार-विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी 15 फरवरी को उटाव मरकज़ में 36 बिरादरी की एक विशाल महापंचायत आयोजित की जाएगी। इस महापंचायत में समाज में व्याप्त कुरीतियों को ज.से समाप्त करने के लिए अंतिम निर्णय लिए जाएंगे और उन्हें लागू करने की रूपरेखा तय की जाएगी।

सर्वसम्मति से पारित हुए महत्वपूर्ण प्रस्ताव : पंचायत में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। इसके अंतर्गत महापंचायत के आयोजन हेतु एक समिति का गठन किया गया, जिसमें फिलहाल 21 सदस्य शामिल हैं। भविष्य में इस समिति का विस्तार कर इसे सैकों सदस्यों तक बढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही नीति-

निर्धारण समिति और एक स्थायी सचिवालय के गठन का भी निर्णय लिया गया, जो सामाजिक सुधार से जुड़े शेष सुझावों के लिए एक विशेष नंबर प्रणाली मंच उपलब्ध कराया जाएगा, जिस पर पंचायत से तीन दिन पूर्व तक विचार आमंत्रित किए जाएंगे। पंचायत को सफल बनाने के उद्देश्य से गांव-गांव जाकर जनसभाएं और नुक्क बैठकें आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया।

विधायक इसराइल चौधरी का आह्वान-समाज को एकजुट होना होगा : हथीन विधायक चौधरी मोहम्मद इसराइल ने कहा कि जो लोग किसी कारणवश पंचायत में शामिल नहीं हो सके, वे सोशल मीडिया के माध्यम से अपने सुझाव भेज सकते हैं। इन सुझावों को आगामी महापंचायत के एजें में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति के लिए बुराइयों के खिलाफ एकजुट होना समय की आवश्यकता है।

वही नूह विधायक चौधरी आफताब अहमद, फिरोजपुर झिरका के विधायक मामन खान व पूर्व विधायक हबीबुर्रहमान नूह ने पंचायत को संबोधित करते हुए समाज के साथ मिलकर चलने का आवाहन किया और जो जिम्मेदारी समाज लगाएगा उसे बखूबी निभाएंगे।



51 सदस्यीय समिति और देशभर के समाज को आमंत्रण

महापंचायत को सफल बनाने के लिए 51 सदस्यीय समिति गठित करने का भी निर्णय लिया गया। इसके साथ ही देश के विभिन्न हिस्सों में निवास कर रहे मेव समाज के लोगों को भी 15 फरवरी को आयोजित होने वाली महापंचायत में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। पंचायत के समापन अवसर पर मौलाना याहया करीमी ने दुआ कराई और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सामाजिक संगठनों, प्रतिनिधियों एवं जनसमूह का आभार व्यक्त किया।

इस पंचायत में हथीन विधायक चौधरी मोहम्मद इसराइल, नूह विधायक चौधरी आफताब अहमद, फिरोजपुर झिरका विधायक मामन खान, पूर्व विधायक हबीबुर्रहमान, सहीदा खान, इकबाल जैलदार, सिद्दीक अहमद मेव, दीन मोहम्मद मामलीका, उमर पाला, हिदायत कमौ, चौधरी रफीक अहमद, चौधरी कासम कोट, चौधरी शौकत घुची, रशीद अहमद मेव मध्यप्रदेश, रमजान चौधरी, मौलाना उसमान उवेसी, मौलाना अनवार मालपुरी, शौकत अली खान गोरवाल पार्श्वद हथीन, आसू पूर्व सरपंच, इदरीस, सरपंच तारिफ हफीज, मुफ्ती वसीम कासमी, मौलाना मुबारक, आसू नंबरदार, मौलाना असरफ उटावी, दीनू सरपंच, हनीफ खान सरपंच गुराकसर, अबू बकर सरपंच कोट, शौकत पूर्व सरपंच हूंचपुरी, जुम्मा पूर्व सरपंच, अकरम खान, वसीम खान उटाव, मौलाना नासिर, मौलाना उसमान उवेसी, मास्टर इकबाल रूपाका, मास्टर मुस्तकीम रूपाका, आशिफ चंदेनी, महमूदा पूर्व चेयरमैन, हाजी इसाक जिला प्रमुख, जाकिर पूर्व सरपंच, हाजी खुशीद अहमद सरपंच खाईका, सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सरपंच, समाजसेवी और हजारों की संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।